गुप्त राजवंश का प्रारम्भिक इतिहास

Dr. Kamlesh Kumar (AIH) SNSRKS College Saharsa

गुप्त राजवंश की स्थापना ईस्वी 275 में महाराजा गुप्त द्वारा कराई गई थी। हमें यह निश्चित रूप से अभी तक पता नहीं है कि उसका नाम श्रीगुप्त था या केवल गुप्त भी उस विषय पर कोई भी लेख अथवा सिक्का अभी तक नहीं मिला। दो मुहरें हैं जिनमें से यह पता चलता है कि गुप्त वंश का दूसरा शासक महाराज घटोत्कच हुआ था, जो श्रीगुप्त का पुत्र थी यह जानने को मिलता है कि प्रभावती गुप्ता के पूना और रिद्धपुर ताम्रपत्रों में केवल उसे ही गुप्त वंश का प्रथम शासक (आदिराज) बताया गया है। स्कन्दगुप्त के सुपिया (रीवा) के लेख में भी गुप्तों की वंशावली घटोत्कच के बारे में पहले के समय से ही प्रारम्भ होती है। इस आधार पर कुछ विद्वानों का यह भी सुझाव है कि वस्तुतः घटोत्कच ही इस वंश का संस्थापक था गुप्त या श्रीगुप्त में से कोई भी आदि पूर्वज रहा होगा जिसके नाम का आविष्कार गुप्त वंश की उत्पत्ति के बारे में बताने के लिये कर लिया गया होगा।

परन्तु इस प्रकार का किसी भी प्रकार का निष्कर्ष तर्कसंगत करना नहीं है गुप्त लेखों के विषय में इस वंश का प्रथम शासक श्रीगुप्त को ही कहा गया है, यह जानने को मिलता है कि ऐसा इस बात का प्रतीत होता है कि यद्यपि गुप्त वंश की स्थापना श्रीगुप्त ने की थी, परन्तु शायद उसके समय में यह वंश महत्वपूर्ण स्थिति में नहीं थी यह लगता है कि घटोत्कच के काल में ही सबसे पहले गुप्तों ने गंगा घाटी में राजनैतिक महत्व प्राप्त की होगी।